Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. सर्वप्रथम कागज़ का आविष्कार किस देश में हुआ?

(अ) ब्रिटेन (ब) जापान

(स) चीन (द) जर्मनी

2. कौन-सा उद्योग छोटे पैमाने का उद्योग है?

(अ) जूट उद्योग (ब) माचिस उद्योग

(स) रसायन उद्योग (द) उर्वरक उद्योग

3. ब्रिटेन के सबसे फलते-फूलते उद्योग थे—

(अ) कपास उद्योग और धातु उद्योग (ब) कपास उद्योग तथा जूट उद्योग

(स) केवल धातु उद्योग (द) जूट उद्योग तथा धातु उद्योग

4. कोरोमंडल तट पर मछलीपटनम और बंगाल में हुगली के माध्यम से भी व्यापार किया जाता था—

(अ) दक्षिण-पूर्वी एशियाई बंदरगाहों के साथ (ब) सभी विकल्प सही हैं

(स) उत्तर-दक्षिणी एशियाई बंदरगाहों के साथ (द) उत्तर-पूर्वी एशियाई बंदरगाहों के साथ

5. 19वीं सदी के प्रारंभ में इंग्लैंड में भाप के इंजन थे—

(अ) 321 (ब) 320

(स) 299 (द) 319

6. 1917 में कलकत्ता में देश की पहली जूट मिल लगाने वाले थे—

(अ) सेठ माणिकचंद (ब) सेठ रामचंद

(स) इनमें से कोई नहीं (द) सेठ हुकमचंद

7. निम्नलिखित में से किसके द्वारा स्पिनिंग जेनी का अविष्कार किया गया?

(अ) आर्कटाइट (ब) जॉन

(स) स्टीफेंसन (द) जेम्स हरग्रीब्ज

8. किस देश में सबसे अधिक लुग्दी का उत्पादन होता है?

(अ) कनाडा (ब) जापान

(स) भारत (द) आस्ट्रेलिया

9. वह सबसे बड़ा उत्पादक कौन-सा है जो विश्व में अखबारी कागज बनाता है?

(अ) कनाडा (ब) भारत

(स) ग्रेट ब्रिटेन (द) यू. एस. ए.

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. किसके द्वारा भाप के इंजन को पेटेंट कराया गया?

(अ) पाश्चर (ब) लैमार्क

(स) जेम्स वॉट (द) डार्विन

रिक्त स्थान :

11. 19वीं सदी में भारत में सबसे पहले कपड़ा मील _____ में लगी।

12. बम्बई में पहली कपड़ा मिल में _____ स्थापित की थी।

सत्य / असत्य

13. कम्पनी ने बुनकरों पर निगरानी रखने के लिए जो वेतनभोगी कर्मचारी नियुक्त किए, वे एजेण्ट कहलाते थे।

14. ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में बुनकरों पर निगरानी रखने के लिए गुमाश्तों को नियुक्त किया।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. 1850 तक भारतीय आयात में सूती माल का आयात कितना प्रतिशत था?

16. स्पिनिंग जैनी ने किस प्रक्रिया में वृद्धि की?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. प्रथम विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन बढ़ने के क्या कारण थे ?

18. पूर्व-औद्योगीकरण का मतलब बताएँ।

निबंधात्मक प्रश्न

19. 19वीं शताब्दी के आरंभ में भारतीय कपड़ा निर्यात में कमी क्यों आने लगी?

20. जॉबर कौन थे ? नई कारखाना प्रणाली में उनकी क्या स्थिति थी ?

HOTS

21. 19वीं सदी में औद्योगिक क्रान्ति, मिश्रित वरदान सिद्ध हुई। इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

1. (स) चीन ने सर्वप्रथम कागज़ बनाना प्रारम्भ किया।
2. (ब) माचिस उद्योग आधारित रूप से छोटे पैमाने का उद्योग है। इसके क्षेत्र को सीमित रूप में रखा जाता है।
3. (अ) कपास उद्योग तथा धातु उद्योग ब्रिटेन के सबसे फलते-फूलते उद्योग थे।
4. (अ) कोरोमंडल तट पर मछलीपटनम और बंगाल में हुगली के माध्यम से भी दक्षिणी-पूर्वी एशियाई बंदरगाहों के साथ व्यापार किया जाता था। निर्यात व्यापार के इस नेटवर्क में बहुत सारे भारतीय व्यापारी और बैंकर शामिल थे।
5. (अ) उन्नीसवीं सदी के शुरुआत तक इंग्लैंड में भाप के सिर्फ 321 इंजन थे। इनमे से 80 इंजन सूती उद्योगों में, 9 ऊन उद्योगों में और बाकी खनन, नहर निर्माण एवं लौह कार्यों में उपयोग हो रहे थे।
6. (द) 1917 में कलकत्ता में देश की पहली जूट मिल लगाने वाले सेठ हुकुमचंद थे।
7. (द) जेम्स हरग्रीब्ज ने स्पिनिंग जेनी का आविष्कार किया।
8. (अ) विश्व में सबसे अधिक लुग्दी का उत्पादन कनाडा देश में होता है।
9. (अ) विश्व में अखबारी कागज़ का सबसे बड़ा उत्पादक देश कनाडा है।
10. (स) जेम्स वॉट द्वारा भाप के इंजन को पेटेंट कराया गया। यह 1871 में किया गया था।
11. **रिक्त स्थान :** 1854 में
12. **रिक्त स्थान :** सन् 1804 में
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. अठारहवीं सदी के आखिर में भारत में उत्पादों का निर्यात न के बराबर होता था। 1850 तक आते-आते सूती का आयात भारतीय आयत में 31% हो चुका था।
16. स्पिनिंग जैनी ने कताई प्रक्रिया में वृद्धि की।
17. प्रथम विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन बढ़ने के निम्नलिखित कारण थे—
    1. अंग्रेजों की युद्ध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई फैक्ट्रियाँ स्थापित की गई।
    2. वर्दी के कपडे, टैंट और चमड़े के जूते आदि सामान बनाने के लिए ।
    3. नए मजदूर काम पर लगा दिए गए और काम करने का समय बढ़ा दिया गया।
    4. भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई और विकास की नीति अपनाई।
18.
    i. औद्योगीकरण का इतिहास अकसर प्रारम्भिक फैक्टरियों की स्थापना से शुरू होता है।
    ii. इंग्लैंड और यूरोप में फैक्ट्रियों की स्थापना से पहले ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए बड़े पैमाने पर औद्योगिक उत्पादन होने लगा था।
    iii. यह उत्पादन फैक्ट्रियों में नहीं बल्कि हाथों से होता था। बहुत सारे इतिहासकार औद्योगिकरण के इस चरण को आदि (पूर्व) औद्योगीकरण (किसी चीज की पहली या प्रारम्भिक अवस्था का संकेत) का नाम देते हैं।
19. 19वीं सदी के आरंभ में भारतीय कपड़ा निर्यात में गिरावट आने लगी जो लम्बे समय तक रही 1811-1812 में कुल निर्यात का 33% था, 1850-1851 में कम हो कर केवल 3% रह गया था जिसके निम्नलिखित कारण थे —
    i. इंग्लैंड में कपड़ा उद्योग विकासित होने से वहाँ के उद्योगपतियों ने सरकार पर दबाव डाला कि बाहर से आने वाले कपड़े पर शुल्क लगाए ताकि मैनचेस्टर में बने कपड़े बिना किसी प्रतिस्पर्धा के बिक सकें।
    ii. इंग्लैंड के उद्योगपतियों ने ईस्ट इंडिया कंपनी पर दबाव दिया कि वह ब्रिटिश कपड़ों को भारत में भी बेचे।
    iii. 19वीं शताब्दी के आरंभ में ब्रिटेन के कपड़ों के निर्यात में बहुत वृद्धि हुई।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

iv. 18वीं शताब्दी के अंत में भारत में उत्पादों का निर्यात बहुत कम था। 1850 तक सूती कपड़े का आयात भारतीय आयात में 31% तक हो गया तथा 1870 तक यह 50% से ऊपर चला गया। परिणामस्वरूप भारतीय कपड़ा बुनकरों को दो समस्याओं का सामना करना पड़ा उनका निर्यात कम हो गया और स्थानीय बाजार में भी उसका उत्पाद कम बिकने लगा।

v. 1860 के दशक में बुनकरों को एक और समस्या का सामना करना पड़ा अच्छी कपास का न मिल पाना।

vi. उन्नीसवीं सदी के आखिर में भारतीय कारखानों में उत्पादन होने लगा था। तथा बाजार में मशीनों से बनी चीजे बिकने लगी ऐसे में बुनकर उद्योग ठप्प हो गए।

20. जॉबर : जॉबर कोई पुराना विश्वस्त कर्मचारी होता था। जिसे उद्योगपतियों ने मजदूरों की भर्ती के लिए रखा हुआ था।

नई कारखाना प्रणाली में उनकी स्थिति :

1. वह गाँव से लोगों से कर लाता था।
2. काम का भरोसा देता तथा शहर में बसने के लिए मदद देता।
3. कुछ समय बाद जॉबर मदद के बदले पैसे व तोहफों की मांग करने लगा था।

21. औद्योगिक क्रान्ति से निम्नलिखित लाभ हुए —

i. उत्पादन क्षमता में वृद्धि- नवीन खोजों के परिणामस्वरूप उत्पादन की नवीन तकनीकों का विकास भी होता रहता था, जिससे उत्पादन क्षमता में निरन्तर वृद्धि होती रहती थी। अतः औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप वस्तुओं की उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ गई।

ii. यातायात में विशेष सुविधा- औद्योगिक क्रान्ति से यातायात के साधनों का तेजी से विकास हुआ। यातायात के ऐसे नवीन साधनों का निर्माण और खोज होने लगी थी जो तीव्र गति से कार्य करते हों। इस प्रकार इस क्रान्ति के फलस्वरूप यातायात अधिक सुगम और विकसित हो गया।

iii. विज्ञान की प्रगति- औद्योगिक साधनों के विकास के लिए विज्ञान के क्षेत्र में निरन्तर खोज चलती रही। वैज्ञानिक नई-नई प्रौद्योगिकी की खोज में प्रयत्नशील रहते थे। इन खोजों और प्रयासों के परिणामस्वरूप विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ निरन्तर प्रगति की ओर बढ़ने लगीं।

iv. कृषि में सुधार - औद्योगिक क्रान्ति के परिणामस्वरूप कृषि-कार्यों के लिए नवीन यन्त्रों का प्रयोग किया जाने लगा। अभी तक कृषि अत्यधिक श्रमसाध्य थी तथा इससे उत्पादन बहुत कम होता था। यन्त्रीकरण से कृषि कार्य सरल हो गया और खाद्यान्नों की उत्पादन-क्षमता में कई गुना वृद्धि हो गई। अब कृषि धीरे-धीरे व्यवसाय का रूप लेने लगी।

v. सांस्कृतिक आदान-प्रदान में वृद्धि - औद्योगिक क्रान्ति से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि हुई। व्यापारिक वर्ग के लोग विश्व के सभी देशों में आने-जाने लगे। इससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान हुआ और मानव परम्परागत रूढ़ियों से मुक्त हो गया।

vi. दैनिक जीवन में सुख- सुविधा के साधनों में वृद्धि - मानव के दैनिक जीवन में भौतिक साधनों के सुलभ हो जाने से विशेष सुख-सुविधा का वातावरण बना। मानव को दैनिक जीवन के कार्यों की पूर्ति हेतु विशेष सुविधाएँ प्राप्त हुई, जिन्होंने नागरिकों के जीवन-स्तर को परिष्कृत रूप प्रदान किया। अब उनका जीवन सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण होता चला गया।

vii. समाजवादी विचारधारा का जन्म - औद्योगिक क्रान्ति का एक अन्य लाभकारी परिणाम यह हुआ कि श्रमिकों के माध्यम से समाजवाद का जन्म हुआ। समाजवाद ने मानव को अपने अधिकारों के प्रति अत्यधिक सजग बनाया। इससे मानवीय स्वतन्त्रता के सिद्धान्त को विशेष बल मिला।

viii. नगरों का विकास- औद्योगिक प्रतिष्ठानों की स्थापना के कारण नये-नये नगरों की स्थापना हुई। नगरों में जनसंख्या बढ़ने से वहाँ के आकार में वृद्धि हुई। नगर उद्योग तथा वाणिज्य के केन्द्र बन गए। इस प्रकार नगरीकरण की प्रक्रिया तीव्र हो गई।

उपर्युक्त लाभों से स्पष्ट है कि 19वीं सदी में हुई औद्योगिक क्रान्ति, मिश्रित वरदान सिद्ध हुई।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video Courses | Quiz | Free Test Series
Download Mission Gyan App